

Set No. 1

Question Booklet No. 00018

## 11P/253/1

(To be filled up by the candidate by blue/black ball-point pen)

Roll No.

--	--	--	--	--	--	--	--

Roll No. (Write the digits in words) .....

Serial No. of Answer Sheet .....

Day and Date ..... (Signature of Invigilator)

### INSTRUCTIONS TO CANDIDATES

(Use only *blue/black ball-point pen* in the space above and on both sides of the Answer Sheet)

1. Within 10 minutes of the issue of the Question Booklet, check the Question Booklet to ensure that it contains all the pages in correct sequence and that no page/question is missing. In case of faulty Question Booklet bring it to the notice of the Superintendent/Invigilators immediately to obtain a fresh Question Booklet.
2. Do not bring any loose paper, written or blank, inside the Examination Hall *except the Admit Card without its envelope*.
3. *A separate Answer Sheet is given. It should not be folded or mutilated. A second Answer Sheet shall not be provided. Only the Answer Sheet will be evaluated.*
4. Write your Roll Number and Serial Number of the Answer Sheet by pen in the space provided above.
5. *On the front page of the Answer Sheet, write by pen your Roll Number in the space provided at the top and by darkening the circles at the bottom. Also, wherever applicable, write the Question Booklet Number and the Set Number in appropriate places.*
6. *No overwriting is allowed in the entries of Roll No., Question Booklet no. and Set no. (if any) on OMR sheet and Roll No. and OMR sheet no. on the Question Booklet.*
7. *Any change in the aforesaid entries is to be verified by the invigilator, otherwise it will be taken as unfair means.*
8. *Each question in this Booklet is followed by four alternative answers. For each question, you are to record the correct option on the Answer Sheet by darkening the appropriate circle in the corresponding row of the Answer Sheet, by pen as mentioned in the guidelines given on the first page of the Answer Sheet.*
9. For each question, darken only one circle on the Answer Sheet. If you darken more than one circle or darken a circle partially, the answer will be treated as incorrect.
10. *Note that the answer once filled in ink cannot be changed. If you do not wish to attempt a question, leave all the circles in the corresponding row blank (such question will be awarded zero marks).*
11. For rough work, use the inner back page of the title cover and the blank page at the end of this Booklet.
12. Deposit only **OMR Answer Sheet** at the end of the Test.
13. You are not permitted to leave the Examination Hall until the end of the Test.
14. If a candidate attempts to use any form of unfair means, he/she shall be liable to such punishment as the University may determine and impose on him/her.

Total No. of Printed Pages :24

[उपर्युक्त निर्देश हिन्दी में अन्तिम आवरण पृष्ठ पर दिखे गए हैं।]

**11P/253/1**

**ROUGH WORK**  
रफ़ कार्य

**11P/253/1**

**No. of Questions : 150**

**प्रश्नों की संख्या : 150**

**Time : 2 Hours**

**Full Marks : 450**

**समय : 2 घण्टे**

**पूर्णाङ्क : 450**

**Note :** (1) Attempt as many questions as you can. Each question carries **3 (Three)** marks. **One mark will be deducted for each incorrect answer.** Zero mark will be awarded for each unattempted question.

अधिकाधिक प्रश्नों को हल करने का प्रयत्न करें। प्रत्येक प्रश्न **3 (तीन)** अंक का है। प्रत्येक गलत उत्तर के लिए एक अंक काटा जायेगा। प्रत्येक अनुत्तरित प्रश्न का प्राप्तांक शून्य होगा।

(2) If more than one alternative answers seem to be approximate to the correct answer, choose the closest one.

यदि एकाधिक वैकल्पिक उत्तर सही उत्तर के निकट प्रतीत हों, तो निकटतम सही उत्तर दें।

**01.** वेदाङ्गज्यौतिषस्य प्रणेता वत्तते

(1) जगदाचार्यः (2) वेदव्यासः (3) लगधाचार्यः (4) शङ्कराचार्यः

**02.** आर्यभट्टस्य जन्मकालः(शकाब्दः)वत्तते

(1) 319 (2) 398 (3) 421 (4) 342

**03.** वृहत्संहिताया रचनाकारःविद्यते

(1) ब्रह्मगुप्तः (2) वशिष्ठः (3) वराहमिहिरः (4) वल्लालसेनः

11P/253/1

04. प्रजापतिदासस्य रचना विद्यते

- (1) जातकपद्धतिः (2) पञ्चस्वरा (3) नरपतिजयचर्या (4) स्वरोदयः

05. मुहूर्तचिन्तामणिकारो विद्यते

- (1) श्रीधराचार्यः (2) अनन्तदैवज्ञः (3) विष्णुदैवज्ञः (4) रामाचार्यः

06. गणेशदैवज्ञस्य कृतिर्विद्यते

- (1) ग्रहचिन्तामणिः (2) ग्रहलाघवम् (3) गोलचिन्तामणि (4) ग्रहणलाघवम्

07. सारावलीकारो विद्यते

- (1) केशवदासः (2) श्रीपतिः (3) केशवार्कः (4) कल्याणवर्मा

08. वृहज्जातकस्य प्रसिद्धटीकाकारो विद्यते

- (1) लल्लः (2) उत्पलः (3) कमलाकरः (4) भट्टलोलटः

09. ज्यौतिषस्य प्रवर्तकाचार्याः सन्ति

- (1) 108 (2) 11 (3) 18 (4) 23

10. वेदस्य नेत्रमस्ति

- (1) निरूक्तम् (2) ज्यौतिषम् (3) व्याकरणम् (4) शिक्षा

11. कर्कराशेर्वर्णः अस्ति

- (1) रक्तः (2) श्यामः (3) पाटलः (4) पीतः

12. मेषःविद्यते

- |                  |                       |
|------------------|-----------------------|
| (1) पुरुषः       | (2) चरः               |
| (3) पुरुषःझूरश्च | (4) चरःपुरुषःस्थिरश्च |

13. वृश्चिकराशिपतिः विद्यते

- |          |          |            |           |
|----------|----------|------------|-----------|
| (1) शनिः | (2) कुजः | (3) कुजशनी | (4) गुरुः |
|----------|----------|------------|-----------|

14. परशुरामस्य नक्षत्रमस्ति

- |             |                  |                  |           |
|-------------|------------------|------------------|-----------|
| (1) आश्लेषा | (2) पूर्वफल्गुनी | (3) उत्तरफल्गुनी | (4) हस्तः |
|-------------|------------------|------------------|-----------|

15. एकस्मिन् राशौ नक्षत्रचरणा भवन्ति

- |       |       |        |        |
|-------|-------|--------|--------|
| (1) 7 | (2) 9 | (3) 11 | (4) 12 |
|-------|-------|--------|--------|

16. वैश्वश्रवणयोरन्तर्गतं भवति

- |                |             |                |                  |
|----------------|-------------|----------------|------------------|
| (1) पूर्वाषाढः | (2) अभिजित् | (3) उत्तराषाढः | (4) श्रवणघनिष्ठा |
|----------------|-------------|----------------|------------------|

17. 'सशस्यदहना प्लवगा' इति स्वरूपमस्ति

- |                |               |               |                |
|----------------|---------------|---------------|----------------|
| (1) मिथुनराशेः | (2) कर्कराशेः | (3) सिंहराशेः | (4) कन्याराशेः |
|----------------|---------------|---------------|----------------|

18. बुधो वर्तते

- |                         |                      |
|-------------------------|----------------------|
| (1) कफप्रकृतिकः         | (2) कफवातप्रकृतिकः   |
| (3) कफवातपित्तप्रकृतिकः | (4) कफपित्तप्रकृतिकः |

**11P/253/1**

**19. पित्तप्रकृतिकः विद्यते**

- (1) कुजः (2) सूर्यः (3) गुरुः (4) शनिः

**20. पश्चिमदिक्पतिः विद्यते**

- (1) सूर्यः (2) कुजः (3) गुरुः (4) शनिः

**21. लवणरसस्य स्वामी विद्यते**

- (1) सूर्यः (2) चन्द्रः (3) कुजः (4) शुक्रः

**22. गुरोर्मित्रमस्ति**

- (1) बुधः (2) शुक्रः (3) शनिः (4) चन्द्रः

**23. तत्काले मित्रं भवति**

- (1) सप्तमस्थः (2) नवमस्थः (3) व्ययस्थः (4) पञ्चमस्थः

**24. सर्वथा शुभग्रहो वर्तते**

- (1) बुधः (2) चन्द्रः (3) सूर्यः (4) गुरुः

**25. गुरो रत्नं विद्यते**

- (1) गारूत्मकम् (2) वैदूर्यम् (3) पुष्परागम् (4) माणिक्यम्

**26. बलानामकमौषधं वर्तते**

- (1) सूर्यस्य (2) कुजस्य (3) गुरोः (4) शुकस्य

27. गोमेदरत्नमस्ति

- (1) कुजस्य (2) बुधस्य (3) राहोः (4) केतोः

28. स्थिरकरणानि सन्ति

- (1) 3 (2) 4 (3) 5 (4) 7

29. विष्कंभादियोगा भवन्ति

- (1) 27 (2) 28 (3) 29 (4) 30

30. ग्रहणं भवति

- (1) पर्वणि (2) प्रदोषे (3) अमायाम् (4) तिथ्यन्ते

31. सूर्यस्य तुलायां नीचांशा भवन्ति

- (1) 20 (2) 15 (3) 10 (4) 5

32. कुजस्यमूलत्रिकोणमस्ति

- (1) मीनः (2) धनुः (3) वृश्चिकः (4) मेषः

33. शनरूच्चांशाः सन्ति तुलाराशौ

- (1) 15 (2) 20 (3) 27 (4) 29

34. गुरोरूच्चराशिर्विद्यते

- (1) मेषः (2) कर्कः (3) धनुः (4) कुंभः

11P/253/1

35. शनिःपूर्णदृशा पश्यति

- (1) 3,7                      (2) 3,10                      (3) 3,7,10                      (4) 3,7,10,4

36. सदा वक्री भवति

- (1) कुजः                      (2) गुरुः                      (3) शनिः                      (4) राहुः

37. सदा मार्गी तिष्ठति

- (1) बुधः                      (2) चन्द्रः                      (3) गुरुः                      (4) शुक्रः

38. मन्दगतिको ग्रहो विद्यते

- (1) सूर्यः                      (2) चन्द्रः                      (3) शनिः                      (4) केतुः

39. कृशदीर्घगात्रग्रहो विद्यते

- (1) चन्द्रः                      (2) बुधः                      (3) राहुः                      (4) शनिः

40. कालपुरुषस्य उदरे वर्तते

- (1) कर्कराशिः                      (2) सिंहराशिः                      (3) कन्याराशिः                      (4) तुलाराशिः

41. कालपुरुषस्यमनः विद्यते

- (1) सूर्यः                      (2) चन्द्रः                      (3) गुरुः                      (4) केतुः

42. ग्रहेषु दुःखरूपः विद्यते

- (1) सूर्यः                      (2) कुजः                      (3) शनिः                      (4) राहुः



43. स्त्रीग्रहो वर्तते

- (1) बुधः (2) गुरुः (3) शुक्रः (4) केतुः

44. पुरुषग्रहो वर्तते

- (1) सूर्यः (2) चन्द्रः (3) बुधः (4) शुक्रः

45. आकाशतत्त्वप्रधानग्रहो विद्यते

- (1) सूर्यः (2) कुजः (3) गुरुः (4) शनिः

46. अधुक्तं वस्त्रं विद्यते

- (1) सूर्यस्य (2) चन्द्रस्य (3) कुजस्य (4) बुधस्य

47. स्कन्दः स्वामी वर्तते

- (1) सूर्यस्य (2) गुरोः (3) कुजस्य (4) राहोः

48. नैऋत्यदिक्पतिर्विद्यते

- (1) बुधः (2) राहुः (3) चन्द्रः (4) शनिः

49. 'ज्ञः' पर्यायो वर्तते

- (1) सूर्यस्य (2) चन्द्रस्य (3) बुधस्य (4) शुक्रस्य

50. 'ख' शब्देन गह्यते

- (1) प्रथमभावः (2) चतुर्थभावः (3) सप्तमभावः (4) दशमभावः

11P/253/1

51. सावनदिनस्य प्रवृत्तिर्भवति

- (1) सूर्यात् (2) सूर्योदयात् (3) प्रातःकालात् (4) पूर्वाह्नात्

52. नक्षत्रस्य संपूर्णमानमुच्यते

- (1) भभुक्तम् (2) भभोग्यम् (3) भयातम् (4) भभोगः

53. ध्रुवसंज्ञकनक्षत्रमस्ति

- (1) पूर्वात्रयम् (2) उत्तरात्रयम् (3) हस्तत्रयम् (4) हरित्रयम्

54. लघुसंज्ञकनक्षत्रमस्ति

- (1) रोहिणी (2) पुनर्वसु (3) अभिजित् (4) शतभिषा

55. पूर्णिमातिथेः स्वामी वर्तते

- (1) सूर्यः (2) चन्द्रः (3) पितरः (4) गणेशः

56. हस्तनक्षत्रस्य स्वामी वर्तते

- (1) ब्रह्मा (2) स्कन्दः (3) शुक्रः (4) रविः

57. शुक्रवासरे सिद्धियोगो भवति

- (1) नन्दा (2) भद्रा (3) जया (4) पूर्णा

58. शनिदिवसे अमृतयोगो भवति

- (1) रिक्ता (2) पूर्णा (3) नन्दा (4) भद्रा

59. शुक्ले पूर्वाद्धेऽष्टम्या भवति

- (1) शकुनिः (2) नागः (3) किंस्तुघ्नः (4) विष्टिः

60. चैत्रशुक्लतृतीया भवति

- (1) युगादिः (2) मन्वादिः (3) सृष्ट्यादिः (4) विषुवादिः

61. षड्वर्गे गण्यते

- (1) त्रिंशांशः (2) दशमांशः (3) पञ्चदशांशः (4) षष्ट्यंशः

62. होरामानं भवति

- (1) 10° (2) 15° (3) 20° (4) 25°

63. राशित्रिभाग उच्यते

- (1) त्रिंशांशः (2) नवांशः (3) द्रेष्काणः (4) गृहम्

64. स्वगृहादेव गण्यते

- (1) होरा (2) द्रेष्काणः (3) द्वादशांशः (4) नवमांशः

65. विषुवसंक्रान्तिर्भवति

- (1) वृषस्य (2) मिथुनस्य (3) कन्यायाः (4) तुलायाः

66. अयनसंक्रान्तिर्भवति

- (1) मेषस्य (2) वृषस्य (3) कर्कस्य (4) सिंहस्य

11P/253/1

67. जघन्यभे संक्रमणे मुहूर्ता भवन्ति

- (1) 15                      (2) 30                      (3) 45                      (4) 50

68. रविसंक्रान्तिहीनश्चान्द्रमास उच्यते

- (1) क्षयमासः              (2) लुप्तमासः              (3) अधिमासः              (4) हीनमासः

69. तिथिशान्त्यर्थं दद्यात्

- (1) हेम                      (2) दधि                      (3) तण्डुलम्                      (4) लवणम्

70. गोचरविचारे राशिमध्ये फलदोभवति

- (1) रविः                      (2) शुक्रः                      (3) बुधः                      (4) केतुः

71. गण्डान्तदोषो भवति

- (1) भरण्याम्              (2) आश्लेषायाम्              (3) विशाखायाम्              (4) शतभिषायाम्

72. सिंहराशिस्थे सूर्ये दग्धा तिथिर्भवति

- (1) चतुर्थी                      (2) षष्ठी                      (3) अष्टमी                      (4) दशमी

73. रविवासरे अर्द्धयामो भवति

- (1) 2                      (2) 4                      (3) 6                      (4) 8

74. उपनयने विहितनक्षत्रमस्ति

- (1) भरणी                      (2) कृत्तिका                      (3) आश्लेषा                      (4) विशाखा

75. पूर्वदिग्यात्रा निषिद्धा वर्तते

- (1) प्रातःकाले (2) उषःकाले (3) सायंकाले (4) निशीथे

76. विवाहे विचार्यते

- (1) पञ्जशलाकावेधः (2) सप्तशलाकावेधः (3) नवशलाकावेधः (4) चक्रवेधः

77. गुरुग्रहस्य समिद् विद्यते

- (1) अपामार्गः (2) पिप्पलः (3) औदुम्बरः (4) खदिरः

78. प्रतिपदियोगिनीवासो भवति

- (1) पूर्वस्याम् (2) अग्निकोणे (3) दक्षिणे (4) नैऋत्याम्

79. कन्यकानामन्नप्राशनं भवति

- (1) तृतीयमासतः (2) चतुर्थमासतः (3) पञ्चममासतः (4) षष्ठमासतः

80. कुंभचक्रविचारो भवति

- (1) घटस्थापने (2) गृहारंभे (3) शिलान्यासे (4) गृहप्रवेशे

81. राहु (काल) वासो दक्षिणे भवति

- (1) मेषार्के (2) वृषार्के (3) मिथुनार्के (4) सिंहाके

82. सर्वदिग्मननक्षत्रमस्ति

- (1) रोहिणी (2) पुष्य (3) स्वाती (4) रेवती

11P/253/1

83. मेषराशिर्विद्यते

- (1) विप्रः (2) क्षत्रियः (3) वैश्यः (4) शूद्रः

84. अवर्गस्य स्वामी वर्तते

- (1) गरूडः (2) मार्जारः (3) श्वानः (4) मेषः

85. दक्षिणपश्चिमनैऋत्यवायुकोणेपूत्रता भूमिर्भवति

- (1) कूर्मपृष्ठा (2) गजपृष्ठा (3) नागपृष्ठा (4) दैत्यपृष्ठा

86. गृहात् पश्चिमे शुभोभवति

- (1) कपित्थः (2) वटः (3) अश्वत्थः (4) औदुम्बरः

87. चतुष्पष्टिपदे वास्तौ ब्रह्मा पूज्यते

- (1) पूर्वे (2) याव्ये (3) मध्ये (4) उत्तरे

88. गृहे प्रथमस्तम्भरोपणं भवति

- (1) पूर्वे (2) अग्निकोणे (3) ऐशान्याम् (4) उत्तरे

89. शयनगृहं शुभं भवति

- (1) पूर्वे (2) दक्षिणे (3) पश्चिमे (4) मध्ये

90. वारुनौ सप्तसकारयोगो भवति

- (1) माघे (2) वैशाखे (3) श्रावणे (4) कार्तिके

91. सूर्यस्य स्थानं विद्यते

- (1) अनामिकायाम् (2) तर्जन्याम् (3) कनिष्ठायाम् (4) अंगुष्ठायाम्

92. मेषराशिर्विद्यते

- (1) अंगुष्ठमूले (2) तर्जन्यग्रे (3) अंगुष्ठग्रे (4) तर्जन्यधः

93. अंगुष्ठमूले तिष्ठति

- (1) यशोरेखा (2) धनरेखा (3) विद्यारेखा (4) सन्तानरेखा

94. शुकनासिको भवति

- (1) विद्वान् (2) धनी (3) चतुरः (4) राजाः

95. हल्लोमनरो भवति

- (1) धनी (2) कारुणिकः (3) दयाहीनः (4) सेवकः

96. मत्स्यचिह्नं यस्याः करतले सा भवति

- (1) दुर्भगा (2) सुभगा (3) धनवती (4) चतुरा

97. प्रश्नकाले चरे लग्नसूर्यशशिश्चेद् भवेयुस्तदा भवति

- (1) कार्यहानिः (2) कार्यसिद्धिः (3) विग्रहः (4) भ्रमणम्

98. आयप्रश्ने ध्वजस्य स्वामी वर्तते

- (1) सूर्यः (2) चन्द्रः (3) जीवः (4) राहुः

11P/253/1

99. त्रिपताकिचक्र विचारः क्रियते

- (1) धनज्ञानाय (2) विद्याज्ञानाय (3) बालारिष्टज्ञानाय (4) पदज्ञानाय

100. रविवासरे दिने प्रथमदण्डेशो भवति

- (1) गुरुः (2) राहुः (3) चन्द्रः (4) सूर्यः

101. स्वरशाल्मे प्रधानस्वरसंख्या विद्यते

- (1) 3 (2) 5 (3) 7 (4) 9

102. 'प्राग्वत् त्रिकोण' इतिसूत्रं वर्तते

- (1) जातकपद्धतेः (2) जैमिनेः (3) पराशरस्यः (4) वर्षपद्धतेः

103. 'प्राची वृत्तिर्विषमभेषु' इत्यनेन ज्ञायते

- (1) चरदशा (2) स्थिरदशा (3) समदशा (4) विषमदशा

104. कारकांशे तत्पञ्चमे वा केतुयुक्ते भवति

- (1) शाब्दिकः (2) गायकः (3) गणितज्ञः (4) नैयायिकः

105. कारकांशे तत्पञ्चमे वा शुक्रयुक्ते भवति

- (1) वेदान्तज्ञः (2) मीमांसकः (3) वैयाकरणः (4) काव्यज्ञः

106. उपपदाधिकारे रविरस्ति

- (1) पापग्रहः (2) शुभग्रहः (3) शुभपापः (4) उदासीनः



107. पितृदिनेशाभ्यां विचार्यते

- (1) धनम् (2) आयुः (3) विद्या (4) कर्म

108. शनी योगहेतौ भवति

- (1) कक्ष्यावृद्धिः (2) कक्ष्याहासः (3) कक्ष्यासाम्यम् (4) कक्ष्यालाभः

109. पितृलाभे गुरौ भवति

- (1) कक्ष्यासाम्यम् (2) कक्ष्यावृद्धिः (3) कक्ष्यालाभः (4) कक्ष्याहासः

110. रविशुक्रयोः प्राणी भवति

- (1) जननी (2) भ्राता (3) जनकः (4) भ्रातृजः

111. '5' मूलाङ्कोपरि प्रभावो भवति

- (1) चन्द्रस्य (2) बुधस्य (3) शुक्रस्य (4) राहोः

112. अष्टमूलाङ्कस्य शुभवर्णः विद्यते

- (1) पीतः (2) रक्तः (3) कृष्णः (4) श्वेतः

113. नवांकस्य महत्वपूर्णवर्षं विद्यते

- (1) 17 (2) 27 (3) 37 (4) 47

114. 19.01.1951 ई' इत्यस्य संयुक्ताङ्कः अस्ति

- (1) 5 (2) 7 (3) 8 (4) 9

**11P/253/1**

**115. एकस्याङ्गस्य शुभवासरो विद्यते**

- (1) रविः (2) चन्द्रः (3) कुजः (4) रविचन्द्रौ

**116. शकलानि भवन्ति**

- (1) 12 (2) 14 (3) 16 (4) 18

**117. वेदतात्वोपरि कृतमस्ति**

- (1) सामुद्रिकम् (2) रमलम् (3) प्रश्नम् (4) शकुनम्

**118. अंकीशकलं विद्यते**

- (1) पुरुषः (2) नपुसंकः (3) पुरुषस्त्री (4) स्त्री

**119. लहानशकलस्य दिग्वर्तते**

- (1) पश्चिमा (2) उत्तरा (3) पूर्वा (4) दक्षिणा

**120. जमातशकलस्य स्वामी विद्यते**

- (1) रविः (2) चन्द्रः (3) कुजः (4) बुधः

**121. राहुसुताः केतवः सन्ति**

- (1) 23 (2) 33 (3) 43 (4) 53

**122. शशरूघिरनिभे सूर्ये भवति**

- (1) युद्धम् (2) भयम् (3) वृष्टिः (4) दुर्भिक्षम्

123. चन्द्रस्य संस्थानानि भवन्ति

- (1) 7 (2) 8 (3) 9 (4) 10

124. पञ्चवक्त्राणि भवन्ति

- (1) चन्द्रस्य (2) कुजस्य (3) बुधस्य (4) बृहस्पतेः

125. षण्मण्डलानि भवन्ति

- (1) बुधस्य (2) गुरोः (3) शुक्रस्य (4) शनैश्चरस्य

126. वैदूर्यकान्तिविमलः शनिर्भवति

- (1) पापकृत् (2) दुर्भिक्षकृत् (3) शुभकृत् (4) सुवष्टिकृत्

127. पञ्चाशत्पलं भवति

- (1) द्रोणः (2) आढकम् (3) कुण्डयम् (4) फलकम्

128. मार्गे शिशुरचितसेतुबन्धेन सूच्यते

- (1) अग्निभयम् (2) जलभयम् (3) वृष्टिः (4) शीघ्रवृष्टिः

129. वृहदन्तर्जलनिवासिसक्चकृतं भवति

- (1) उल्कापातम् (2) दिग्दाहम् (3) भूकम्पम् (4) वृष्टिपातम्

130. उल्का भवति

- (1) द्विविधा (2) त्रिविधा (3) चतुर्विधा (4) पञ्चविधा

11P/253/1

131. आदित्याद्दशमेपापः पीडितो दशमेशस्तदामहाकष्टं भवति

- (1) मातुः (2) पितुः (3) जातकस्य (4) पित्रोः

132. लग्ने कुजः, सप्तमेशुक्रश्चेत्तदा भवति

- (1) करव्रणम् (2) उदरव्रणम् (3) कण्ठव्रणम् (4) शिरोव्रणम्

133. सूर्ये सिंहगे भाग्यस्थे हानिर्भवति

- (1) धनस्य (2) भागस्य (3) सहजस्य (4) सुतस्य

134. चन्द्रः पापमध्यगतः करोति

- (1) अरिष्टम् (2) शुभम् (3) लाभम् (4) आयम्

135. पूर्णचन्द्रः शुभमध्यस्थः करोति

- (1) अरिष्टवृद्धिम् (2) अरिष्टनाशम् (3) शुभवृद्धिम् (4) शुभनाशम्

136. पापा अरिष्टनाशका भवन्ति

- (1) लग्नस्थाः (2) धनस्थाः (3) सहजस्थाः (4) सुखस्थाः

137. यस्याञ्छन्द्रो लग्नगस्तृतीयगो वा शुभदृष्टः सा भवेत्

- (1) रूपवती (2) गुणज्ञा (3) रूपवती गुणज्ञाच (4) पतिप्रिया

138. यस्याः सप्तमे देवगुरुर्भवेत् सा भवति

- (1) गुणज्ञा (2) गुणधर्मज्ञा (3) धर्मज्ञा (4) धनज्ञा

139. सिंह कुजत्रिंशशके लग्नचन्द्रे सति नारी भवति

- (1) वराङ्गना (2) सुदुष्टा (3) नराकारधरा (4) राज्ञी

140. लग्ने शनिः, पञ्चमे सूर्यः, भाग्ये कुजस्तदा भवति

- (1) दुर्भगाख्या (2) शोकाख्या (3) विषाख्या (4) रोगाख्या

141. लग्नचन्द्राभ्यां सप्तमे सप्तमेशः स्यात्तदा नश्यति

- (1) शोकयोगः (2) विषयोगः (3) रोगयोगः (4) सन्तापयोगः

142. भेकोदरी जनयति

- (1) विद्वांसम् (2) नरेशम् (3) बलिनम् (4) शूरम्

143. सप्तमभावस्य कारकग्रहो विद्यते

- (1) बुधः (2) गुरुः (3) शुक्रः (4) शनिः

144. पञ्चमभावस्य कारकग्रहो वर्तते

- (1) गुरुः (2) सूर्यः (3) चन्द्रः (4) शुक्रः

145. पराशरमतेन शनेर्महादशावर्षाणि भवन्ति

- (1) 17 (2) 18 (3) 19 (4) 20

146. सङ्कटायोगिनीमहादशावर्षाणि सन्ति

- (1) 5 (2) 6 (3) 7 (4) 8

**11P/253/1**

**147.** सूर्यमहादशायी शुक्रन्तर्दशामानं मासादि वर्त्तते

- (1) 10                      (2) 12                      (3) 14                      (4) 16

**148.** लाभे केन्द्रे त्रिकोणे तनुनिधनभवस्थाननाथाश्चेद् भवति

- (1) अल्पायुः              (2) हीनायुः              (3) मध्यमायुः              (4) दीर्घायुः

**149.** कोशाधीशःस्वराशौ गुरुसहितो भवति

- (1) सर्वसंपत्प्रदः              (2) क्लेशप्रदः              (3) मारकः                      (4) नेत्रहानिकरः

**150.** कर्मस्थे लग्ननाथे, कर्मेशे लग्ने तदा भवति

- (1) विद्यापति              (2) धनपतिः              (3) शूरपतिः                      (4) भूपतिः

## अभ्यर्थियों के लिए निर्देश

(इस पुस्तिका के प्रथम आवरण पृष्ठ पर तथा उत्तर-पत्र के दोनों पृष्ठों पर केवल नीली-काली बाल-प्वाइंट पेन से ही लिखें)

1. प्रश्न पुस्तिका मिलने के 10 मिनट के अन्दर ही देख लें कि प्रश्नपत्र में सभी पृष्ठ मौजूद हैं और कोई प्रश्न छूटा नहीं है। पुस्तिका दोषयुक्त पाये जाने पर इसकी सूचना तत्काल कक्ष-निरीक्षक को देकर सम्पूर्ण प्रश्नपत्र की दूसरी पुस्तिका प्राप्त कर लें।
2. परीक्षा भवन में लिफाफा रहित प्रवेश-पत्र के अतिरिक्त, लिखा या सादा कोई भी खुला कागज साथ में न लायें।
3. उत्तर-पत्र अलग से दिया गया है। इसे न तो मोड़ें और न ही विकृत करें। दूसरा उत्तर-पत्र नहीं दिया जायेगा। केवल उत्तर-पत्र का ही मूल्यांकन किया जायेगा।
4. अपना अनुक्रमांक तथा उत्तर-पत्र का क्रमांक प्रथम आवरण-पृष्ठ पर पेन से निर्धारित स्थान पर लिखें।
5. उत्तर-पत्र के प्रथम पृष्ठ पर पेन से अपना अनुक्रमांक निर्धारित स्थान पर लिखें तथा नीचे दिये वृत्तों को गाढ़ा कर दें। जहाँ-जहाँ आवश्यक हो वहाँ प्रश्न-पुस्तिका का क्रमांक तथा सेट का नम्बर उचित स्थानों पर लिखें।
6. ओ० एम० आर० पत्र पर अनुक्रमांक संख्या, प्रश्नपुस्तिका संख्या व सेट संख्या (यदि कोई हो) तथा प्रश्नपुस्तिका पर अनुक्रमांक और ओ० एम० आर० पत्र संख्या की प्रविष्टियों में उपरिलेखन की अनुमति नहीं है।
7. उपर्युक्त प्रविष्टियों में कोई भी परिवर्तन कक्ष निरीक्षक द्वारा प्रमाणित होना चाहिये अन्यथा यह एक अनुचित साधन का प्रयोग माना जायेगा।
8. प्रश्न-पुस्तिका में प्रत्येक प्रश्न के चार वैकल्पिक उत्तर दिये गये हैं। प्रत्येक प्रश्न के वैकल्पिक उत्तर के लिए आपको उत्तर-पत्र की सम्बन्धित पंक्ति के सामने दिये गये वृत्त को उत्तर-पत्र के प्रथम पृष्ठ पर दिये गये निर्देशों के अनुसार पेन से गाढ़ा करना है।
9. प्रत्येक प्रश्न के उत्तर के लिए केवल एक ही वृत्त को गाढ़ा करें। एक से अधिक वृत्तों को गाढ़ा करने पर अथवा एक वृत्त को अपूर्ण भरने पर वह उत्तर गलत माना जायेगा।
10. ध्यान दें कि एक बार स्याही द्वारा अंकित उत्तर बदला नहीं जा सकता है। यदि आप किसी प्रश्न का उत्तर नहीं देना चाहते हैं, तो संबंधित पंक्ति के सामने दिये गये सभी वृत्तों को खाली छोड़ दें। ऐसे प्रश्नों पर शून्य अंक दिये जायेंगे।
11. रफ कार्य के लिए प्रश्न-पुस्तिका के मुखपृष्ठ के अंदर वाला पृष्ठ तथा उत्तर-पुस्तिका के अंतिम पृष्ठ का प्रयोग करें।
12. परीक्षा के उपरान्त केवल ओ एम आर उत्तर-पत्र परीक्षा भवन में जमा कर दें।
13. परीक्षा समाप्त होने से पहले परीक्षा भवन से बाहर जाने की अनुमति नहीं होगी।
14. यदि कोई अभ्यर्थी परीक्षा में अनुचित साधनों का प्रयोग करता है, तो वह विश्वविद्यालय द्वारा निर्धारित दंड का/की, भागी होगा/होगी।